

प्रेषक,

एल.एन. पन्त,
अपर सचिव, वित्त,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त अधिशासी अधिकारी,
नगर पंचायत, उत्तराखण्ड,
(संलग्न सूची के अनुसार)।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: 25 अक्टूबर, 2013

विषय: तृतीय राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार नगर पंचायतों को वित्तीय वर्ष 2013-14 की तृतीय त्रैमासिक किश्त का तदर्थ आधार पर अन्तरण।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि तृतीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड की संस्तुतियों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णयानुसार प्रदेश की 28 नगर पंचायतों को संलग्न विवरण के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 की तृतीय त्रैमासिक किश्त हेतु तदर्थ आधार पर देय धनराशि में से कॉलम-5 में इंगित धनराशि की कटौती पेंशन निधि हेतु करते हुये कॉलम-6 में निकाय के सम्मुख इंगित कुल धनराशि ₹91229000.00 (₹ नौ करोड़ बारह लाख उन्नतीस हजार मात्र) अंतरित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उपर्युक्त धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अंतरित की जा रही है:-

(1) अंतरित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये बिल सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जायेगा। अंतरित की जा रही धनराशि का उपयोग शासनादेश सं०-388/XXVII/(1)/2012, दिनांक 23 जुलाई, 2012 द्वारा निर्गत मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अन्तर्गत किया जायेगा। इस धनराशि से किसी प्रकार का व्यावर्तन/समायोजन अनुमन्य नहीं होगा।

(2) नगर विकास विभाग संक्रमित धनराशि के नियमानुसार उपयोग की समीक्षा करेंगे तथा इसके समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होंगे। कोषागार से आहरित धनराशि का बाउचर संख्या तथा दिनांक की सूचना महालेखाकार, उत्तराखण्ड एवं शासन के वित्त विभाग को भेजेंगे।

(3) निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय, निकायों को आवंटित धनराशि के समय से उपयोग हेतु उत्तरदायी होंगे।

(4) शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ/लेखाधिकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों में किसी प्रकार का विचलन हो तो वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दी जायेगी।

(5) शहरी स्थानीय निकायों को वित्तीय वर्ष 2012-13 में देय धनराशि के अनुसार ही तदर्थ रूप से वित्तीय वर्ष 2013-14 की तृतीय त्रैमासिक किश्त हेतु धनराशि अंतरित की जा रही है। वर्ष 2013-14 की बढ़ी हुई धनराशि आयोग के प्रतिवेदन के प्रस्तर-8.20 पर अनुपालन आख्या प्राप्त होने पर ही देय होगी।

(6) शहरी स्थानीय निकायों को चतुर्थ त्रैमासिक किश्त की धनराशि तभी अवमुक्त की जायेगी जब उनके द्वारा उपरोक्त बिन्दु 5 पर अनुपालन आख्या दिनांक: 30 सितम्बर, 2013 तक उपलब्ध करा दी जायेगी।

(7) यदि निर्धारित तिथि तक उपरोक्त वांछित/उपयोगी सूचनाएँ उपलब्ध नहीं करायी जाती हैं और इन सूचनाओं के अभाव में निकायों को चतुर्थ किश्त अवमुक्त करने में विलम्ब होता है, तो इसके लिये सम्बन्धित निकाय तथा शहरी विकास विभाग उत्तरदायी होंगे।

(8) सम्बन्धित निकाय की अलोटमेंट आईडी संलग्न है।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन-आयोजनेत्तर-01-नगरीय स्थानीय निकाय-193-नगर पंचायतें/ नोटिफाइड एरिया/ कमेटी आदि-03 राज्य वित्त आयोग द्वारा संस्तुत करें से समनुदेशन-00-20-सहायक अनुदान/ अंशदान/ राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

संलग्न:- यथोपरि।

आज्ञा से,

(एल.एन. पन्त)
अपर सचिव, वित्त।

संख्या:- 256 (1)/XXVII(1)/2013, तददिनांकित।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- प्रमुख सचिव, शहरी विकास, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- मण्डलायुक्त, गढ़वाल/कुमायूँ, उत्तराखण्ड।
- 4- सम्बन्धित जिलाधिकारी.....।
- 5- निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय, 43/6, माता मन्दिर मार्ग, धर्मपुर, देहरादून।
- 6- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 7- निदेशक, लेखा एवं हकदारी, 23-लक्ष्मी रोड, डालनवाला, देहरादून।
- 8- निदेशक, वित्त आयोग निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
- 9- सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ/कोषाधिकारी.....।
- 10- एन0 आई0सी0 सचिवालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।

आज्ञा से,

(एल.एन. पन्त)
अपर सचिव, वित्त।

शासनादेश संख्या: 256/XXVII(1)/ 2013


:: देहरादून: दिनांक: 25 अक्टूबर, 2013

तृतीय राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के कम में नगर पंचायतों को तदर्थ आधार पर वित्तीय वर्ष 2013-14 की तृतीय त्रैमासिक किस्त हेतु अंतरण

(धनराशि ₹ हजार में)

क्र.सं.	जनपद	शहरी स्थानीय निकाय का नाम	तदर्थ आधार पर तृतीय त्रैमास हेतु देय अंतरण	पेंशन निधि तदर्थ आधार पर कटौती का अंश (1%)	तृतीय त्रैमास हेतु तदर्थ आधार पर धनराशि का अंतरण
1	2	3	4	5	6
नगर पंचायत					
1-	उत्तरकाशी	बड़कोट	4144	41	4103
	योग		4144	41	4103
2-	चमोली	नन्दप्रयाग	3353	34	3319
3-		कर्णप्रयाग	6990	70	6920
4-		गोघर	5683	57	5626
	योग		16026	161	15865
5-	टिहरी	मुनिकौरती	6694	67	6627
6-		कीर्तिनगर	1661	17	1644
7-		चम्बा	2361	24	2337
8-		देवप्रयाग	3499	35	3464
	योग		14215	143	14072
9-	देहरादून	डोईवाला	2656	27	2629
10-		हरबटपुर	4754	48	4706
	योग		7410	75	7335
11-	नैनीताल	कालाबूगी	3753	38	3715
12-		भीमताल	2314	23	2291
13-		लालकुआ	3056	31	3025
	योग		9123	92	9031
14-	उधमसिंह नगर	दिनेशपुर	3141	31	3110
15-		सुल्तानपुर	3082	31	3051
16-		केलाखेड़ा	2420	24	2396
17-		शक्तिगढ़	1525	15	1510
18-		मुहुआ खेड़ा गंज	3476	35	3441
19-		मुहुआडाबरा	2122	21	2101
	योग		15766	157	15609
20-	अल्मोड़ा	द्वाराहाट	2054	21	2033
	योग		2054	21	2033
21-	पिथौरागढ़	डीडीहाट	1812	18	1794
22-		धारचूला	5692	57	5635
	योग		7504	75	7429
23-	चम्पावत	लोहाघाट	2650	27	2623
	योग		2650	27	2623
24-	हरिद्वार	अबरेड़ा	3007	30	2977
25-		लण्डौरा	4642	46	4596
26-		लक्सर	5612	56	5556
	योग		13261	132	13129
महायोग			92153	924	91229

(रु० नौ करोड़ बारह लाख उन्नीस हजार मात्र)


(एल.एन. पन्त)
अपर सचिव।